Life is a game — शृंखला "Anconette del cuore" का प्रवेश-पाठ

जीवन तर्क से स्वतंत्र एक खेल है,
वह यथार्थ की भौतिक सीमाएँ पार कर आत्मा में जा गिरता है।
जीवन एक स्वतंत्र खेल है, और कला एक खिलौना है
जो पूज्य-वस्तु की भूमिका छोड़कर
अपने क्रीड़ामय और पवित्र स्वभाव में लौटती है,
क्योंकि केवल "गंभीर" खेल (वह खेल जो बच्चे खेलते हैं)
हमें सौंदर्य और पवित्रता की उन चोटियों तक उठा सकता है
जो तर्क के लिए बंद हैं।

इसे बहुत गंभीरता से नहीं लेना चाहिए, यह बस हमारा जीवन है,
एक नृत्य, जिसमें अनगिनत ठोकरें हैं,
एक आवेग, जो दुलार से भरा है,
एक उदात्त खेल, जिसे हारा नहीं जा सकता।

यदि हमारा समूचा सामाजिक, सांस्कृतिक और कलात्मक ढाँचा सबसे पहले
खेल के रूप में जन्मता है, तो हम कल्पना कर सकते हैं कि खेलना और जीना एक ही बात है।

जीवन कुछ भी न जानने का खेल है:
कहाँ से आते हैं और कहाँ जा रहे हैं,
एक ओपन-वर्ल्ड और ओपन-आउटकम खेल।

खेलना पहला आदेश होना चाहिए; इटली को एक ऐसा
गणराज्य होना चाहिए जो जीवन को खेलने के साहस पर टिका हो।
'टॉय स्टोरी 2' में स्टिंकी पीट सोना खोजने वाले एक बूढ़े का पुतला है, जिसे कभी अपने
मूल डिब्बे से बाहर नहीं निकाला गया, जो कभी जिया ही नहीं; वह टोक्यो के संग्रहालय में
अपने प्रदर्शन को अपने अस्तित्व के उद्धार की इकलौती संभावना मानता है।

यदि हम अपना जीवन खेलेंगे नहीं,
तो कोई उसका आनंद नहीं ले सकेगा,
बाद में भी नहीं,
चाहे वह बेहतरीन हालत में सँभालकर रखा गया हो,
कभी इस्तेमाल ही न हुआ हो।

खेल और खिलौना हमारे चारों ओर की दुनिया पर हमारी शक्ति का रूपक हैं, इस बात की स्मृति कि हम सर्वशक्तिमान थे और उस भविष्य के रचयिता जो हमारी प्रतीक्षा कर रहा है।

मैंने जो छोटी वेदिकाएँ बनाई हैं, वे हमारे बीते खेल की मंजूषाएँ हैं — इस बात की चिरस्थायी स्मृति कि हम बच्चे रहे हैं, कि हमने स्वयं को उसी बच्चे के चारों ओर रचा है जो आज भी हमारे भीतर बसता है।
ये छोटी वेदिकाएँ स्मृतियों की मंजूषाएँ हैं, देश-काल की खिड़कियाँ, जो समय को एक ठीक क्षण पर रोक सकती हैं — अंतरंग चिंतन और ध्यान के एक क्षण पर।
वे मालिक की वस्तुएँ रख सकती हैं, या उस समय की प्रतिमाएँ जो अब नहीं है; वे बीते समय के डिब्बे हैं, अमर प्रतिमाएँ, लौकिक देवताओं को की गई मनौतियाँ, समय-रेखा पर लगी छोटी झंडियाँ, मन्नत-चढ़ावे — छवियों, संगीत, सुगंधों, शब्दों, फुसफुसाहटों के साथ; वे संकेत हैं, बीते समय के आह्वान।
उनकी पवित्रता इसमें है कि वे बंद जन्मती हैं, गुप्त, हमारी आँखों को छोड़ बाक़ी सबकी आँखों से ओझल। उनका भीतरी हिस्सा, सुनहरा और लाख चढ़ा, हृदय को दर्शाता है, हमारे भीतर के बच्चे को, हमारे जीवन के उस एक साँस-भर समय के संगीत और ध्वनि को।
ये छोटी वेदिकाएँ हृदय की स्मृतियों की तिजोरियाँ हैं।
जो डिब्बा हमारा हृदय समेटे है, उसने जीवन की मार सही है, रोमनेस्क गिरजे की तरह; उस डिब्बे में सुंदर कुछ भी नहीं, वह जंग खाया है, और सही चाबी से ही खुलता है।

पूजा-अनुष्ठान पवित्र खेल के रूप में उठा और बढ़ा, कविता खेल में जन्मी और क्रीड़ात्मक रूपों में जीती रही, संगीत और नृत्य विशुद्ध खेल थे, प्रज्ञा और ज्ञान पवित्र स्पर्धाओं में प्रकट हुए, कुलीन जीवन की रूढ़ियाँ खेल के रूपों पर आधारित थीं; संस्कृति अपने आरंभिक चरणों में खेली जाती है, संस्कृति खेल में और खेल के रूप में विकसित होती है।
योहान हॉएज़िंगा

जब आप अपने बच्चे को प्रेम से बाँहों में थाम चुकेंगे, तब आप गहराई में देख सकेंगे।
थिक न्हात हान

स्वयं को पाँच वर्ष का बच्चा मानकर देखिए, और उस बच्चे को अपने साथ रहने का निमंत्रण दीजिए — वही बालक या बालिका जो आज भी आपके भीतर जीवित है
थिक न्हात हान

जिस वस्तु में न उपयोगिता है न सत्य, न तुलना का कोई मूल्य, और जिसमें हानि पहुँचाने की शक्ति भी नहीं, उसका सबसे अच्छा मूल्यांकन उसकी लावण्यता और उसके दिए हुए आनंद से होता है।
ऐसा ही आनंद खेल है।
प्लेटो

प्लेटो के संवाद 'नोमोइ' (विधियाँ) में कहा गया है: [...] मनुष्य [...] देवताओं का बनाया एक खिलौना मात्र है, और वस्तुतः यही उसका सर्वोत्तम अंश है। इस धारणा के फलस्वरूप, हर पुरुष और हर स्त्री को यह खेल यथासंभव अच्छे ढंग से खेलते हुए जीना चाहिए।
प्लेटो

जहाँ कहीं काम और उत्पादन होता है, वहाँ हम देवताओं के साथ नहीं होते और हम स्वयं दिव्य नहीं होते। देवता

न उत्पादन करते हैं, न श्रम।
ब्युंग-चुल हान

वित्तीय संकट के बीच, ग्रीस में कुछ ऐसा घटा जो भविष्य से आए किसी संकेत जैसा लगता है। कुछ बच्चों को एक खंडहर घर में नोटों की बड़ी गड्डी मिली और उन्होंने उसका बिल्कुल नया उपयोग किया: वे उससे खेलने और उसे फाड़ने लगे।
ये बच्चे किसी तरह हमारे भविष्य का पूर्वाभास देते हैं: दुनिया मलबा है। इस मलबे के बीच हम — उन बच्चों की तरह — नोटों से खेलते हैं और उन्हें फाड़ते हैं। वे यूनानी बच्चे धन को, पूँजी को, इस नए देवता को अपवित्र करते हैं, क्योंकि वे उसका बिल्कुल दूसरा उपयोग करते हैं — यानी उससे खेलते हैं। अपवित्रीकरण आज इतने पूजित धन को अचानक एक खिलौने में बदल देता है।
ब्युंग-चुल हान

Qui nolet fieri desidiosus, amet.
(जो आलसी नहीं होना चाहता, वह प्रेम करे।)

Luca Motolese · Torino 2018

motolese.com — मूल पाठ इतालवी में